

मुंबई में TECC के साथ ताइवान ने भारत में उपस्थिति का वसितार किया

प्रलिस के लयि:

[चीन-ताइवान संघर्ष](#), भारत-ताइवान संबंध, वन चाइना पॉलिसी

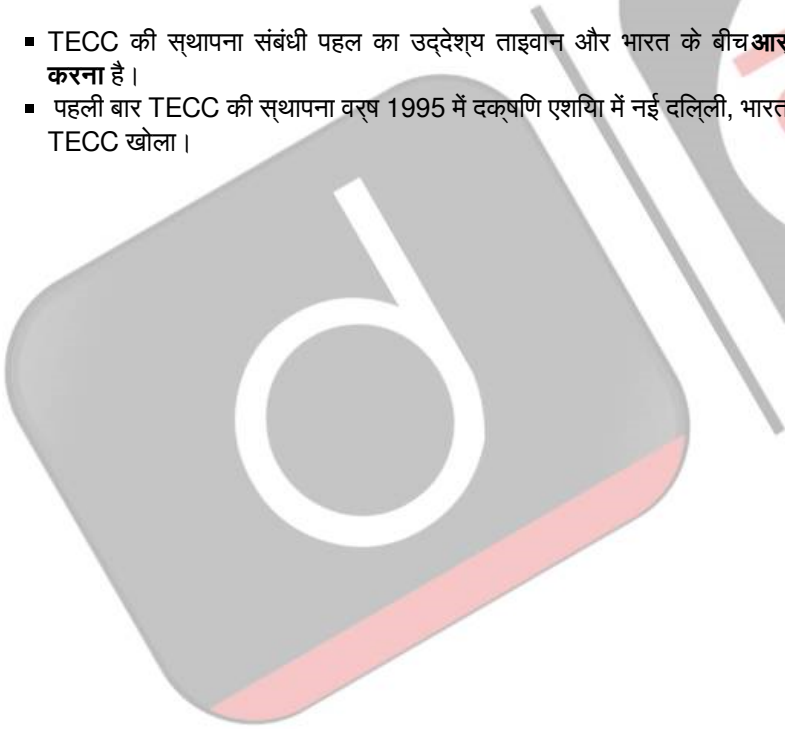
मेन्स के लयि:

भारत-ताइवान संबंध, भारत-ताइवान आर्थिक संबंधों में चुनौतयिँ और अवसर, भू-राजनीतिक नहितिार्थ

चर्चा में क्योँ ?

हाल ही में, ताइवान ने भारत में, वशिष रूप से मुंबई में, अपना तीसरा प्रतनिधित्ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र (Taipei Economic and Cultural Center TECC) खोलने की योजना की घोषणा की है।

- TECC की स्थापना संबंधी पहल का उद्देश्य ताइवान और भारत के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाना और द्वपिकषीय सहयोग को मज़बूत करना है।
- पहली बार TECC की स्थापना वर्ष 1995 में दक्षिण एशिया में नई दलिली, भारत में की गई थी। ताइवान ने बाद में वर्ष 2012 में चेन्नई में एक और TECC खोला।





चीन की प्रतिक्रिया और भू-राजनीतिक नहितार्थः

- चीन अन्य देशों द्वारा ताइवान के किसी भी आधिकारिक संपर्क या मान्यता का वरिध करता है, यह कहते हुए कि यह [‘वन चाइना पॉलिसि’](#) का उल्लंघन करता है।
- चीन नए कार्यालय के उद्घाटन पर **आपत्त व्यक्त करके और राजनयिक या आर्थिक उपाय अपनाकर प्रतिक्रिया दे सकता है।**
- **ताइवान को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने के उसके प्रयासों को देखते हुए, भारत और ताइवान के बीच वकिसति होते संबंध चीन के लिये एक संवेदनशील मुद्दा बना रहा है।**
- हालाँकि, [वास्तविक नयितरण रेखा](#) पर चीन और भारत के बीच मौजूदा तनाव को देखते हुए, चीन आगे बढ़ने से बचने के लिये संयमति रह सकता है।

ताइवान के साथ भारत के संबंधः

- **कूटनीतिक संबंधः**
 - भारत और ताइवान के बीच **औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं** लेकिन वर्ष 1995 से दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की राजधानियों में प्रतनिधि कार्यालय को स्थापति किया है जो वास्तविकि दूतावासों के रूप में कार्य करते हैं। भारत ने **“एक चीन नीति” का समर्थन** किया है।
- **आर्थिक संबंधः**
 - वर्ष 2019 में व्यापार संबंध 7.5 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जो वर्ष 2000 में 1 बलियन अमेरिकी डॉलर के आसपास था।

- वर्ष 2018 में भारत और ताइवान ने द्विपक्षीय नविश समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, निर्माण, पेट्रोकेमिकल्स, मशीन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र में लगभग 200 ताइवानी कंपनियाँ कार्यरत हैं।
- ताइवान भारत में [सेमीकंडक्टर वनिरिमाण केंद्र](#) बनाने पर सहयोग प्रदान करेगा।
- सांस्कृतिक संबंध:
 - वर्ष 2010 में उच्च शक्ति में पारस्परिक डिग्री मान्यता समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद दोनों पक्षों ने शैक्षिक आदान-प्रदान का भी विस्तार किया है।
- अवसर:
 - प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग:
 - अनुसंधान एवं विकास और उद्यमिता में ताइवान की विशेषज्ञता भारत की प्रतिभा संपन्न आबादी और [डिजिटल अर्थव्यवस्था](#) के लिये सहायक हो सकती है, जिससे [उभरती प्रौद्योगिकियाँ](#) में सहयोग को बढ़ावा मिल सकता है।
 - ताइवान विश्व के 60% से अधिक अर्द्धचालक और 90% से अधिक सबसे उन्नत अर्द्धचालकों का उत्पादन करता है।
 - क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा:
 - ताइवान और भारत एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी [हिंदी-प्रशांत क्षेत्र](#) का दृष्टिकोण साझा करते हैं, यह समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद वशियत पहलों एवं आपदा प्रबंधन पर सहयोग के अवसर प्रदान करता है।
- चुनौतियाँ:
 - वन चाइना पॉलिसी:
 - वन चाइना नीतिका पालन करने के कारण भारत के लिये को ताइवान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों से होने वाले लाभों का दोहन सरल नहीं है।
 - आर्थिक सहयोग में बाधाएँ:
 - सांस्कृतिक और प्रशासनिक बाधाओं तथा घरेलू उत्पादकों के भारत पर दबाव के बावजूद ताइवान ने नविश में वृद्धि की है।

[स्रोत: द द्रि](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/taiwan-expands-presence-in-india-with-tecc-in-mumbai>

